संस्कृत पाठ्यक्रम–समिति
संस्कृत विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल उत्तराखण्ड

पत्रांकः– संस्कृत/पाठ्यसमिति/गूगलमीट– https://meet.google.com/dzy-ngnb-bms दिनाङ्क 09 जून 2021

माननीय कुलपति जी, कुमाऊँ विश्वविद्यालय के निर्देश पर संस्कृत विषय की पाठ्य समिति की आवश्यक बैठक आज दिनाङ्क 09 जून 2021 को गूगल मीट के माध्यम से **https://meet.google.com/dzy-ngnb-bms** सम्पन्न हुई। बैठक में बाह्य विषय–विशेषज्ञों एवं आमन्त्रित सदस्यों की ऑनलाइन उपस्थिति निम्नवत् रही–

1. प्रो0 जया तिवारी
   संयोजक– संस्कृत विभाग, डी0एस0बी0 परिसर, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।

2. प्रो0 जे0के0 गोदियाल
   पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विभाग, पौड़ी परिसर, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर।

3. प्रो0 अयोध्यादास श्री वैष्णव
   पूर्व अध्यक्ष प्राच्य संस्कृत विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

4. प्रो0 सत्यदेव निगमालङ्कार
   स्वामी श्रद्धानन्द शोधकेन्द्र अध्यक्ष, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार।

आमन्त्रित सदस्य–

5. प्रो0 कमला पन्त
   अध्यक्ष संस्कृत विभाग, एम0बी0पी0जी0 महाविद्यालय, हल्द्वानी।

6. प्रो0 विनय कुमार विद्यालङ्कार
   संस्कृत विभाग, एम0बी0पी0जी0 महाविद्यालय, हल्द्वानी।

कार्य–सूची (Agenda)

संस्कृत विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल के संस्कृत पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनाङ्क 09 जून 2021 की कार्य–सूची–

1. सर्वसम्मति से गत कार्यवाही (26.03.2019) की पुष्टि की गयी।
2. स्नातकोत्तर सत्रार्द्ध (सेमेस्टर) के सी0बी0सी0एस0 पाठ्यक्रम (2020 से लागू) पर विचार–विमर्श
3. समय–समय पर सञ्चालित स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षा के परीक्षा के प्रश्नपत्र निर्माण एवं मौखिक–परीक्षा के परीक्षकों के पैनल निर्माण पर विचार–विमर्श
4. भविष्य में पाठ्यक्रम एवं अंक सम्बन्धी किसी भी प्रकार के परिवर्तन होने की दशा में कलासङ्काय के अन्य विषयों की भाँति समरूपता नीति के आधार पर संयोजक, संस्कृत विभाग एवं विभागीय सदस्यों द्वारा स्वविवेक से परिवर्तन किये जाने पर विचार–विमर्श।

कार्य–वृत्त

संस्कृत पाठ्यसमिति (B.O.S.) की बैठक दिनाङ्क 09 जून 2021 का कार्यवृत्त–

1. सर्वसम्मति से गतकार्यवाही की पुष्टि की गयी।
2. स्नातकोत्तर स्तर पर सन् 2020–2021 सत्र में क्रेडिट बेस चोइस सिस्टम (सी0बी0सी0एस) पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। कोविड–19 की वजह से वर्ष 2020–2021 सत्र में सी0बी0सी0एस0 पाठ्यक्रम की पाठ्यसमिति की बैठक सम्पन्न नहीं हो पायी थी। जिसे दिनाङ्क– 09 जून 2021 को आहूत की गयी। यह बैठक ऑनलाइन सम्पन्न हुई। स्नातकोत्तर प्रथम सत्र वर्ष 2020 से सी0बी0सी0एस0 पाठ्यक्रम प्रभावी रहा। इस सत्र में **पञ्चम प्रश्नपत्र भी अनिर्वाय हैं** जिसे कोर कोर्स के अन्तर्गत इङ्गित किया गया है। **पञ्चम पत्र में दो प्रश्नपत्र हैं जिनमें से एक ही प्रश्नपत्र का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाना अनिर्वाय है**।
3. स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध 2021–2022 के पाठ्यक्रम में **पञ्चम प्रश्न में विकल्प समाप्त कर दिया** तथा **पञ्चम प्रश्न में 'उपनिषद् एवं धर्मशास्त्र'** को ही समावेशित किया गया है। परिवर्तित पाठ्यक्रम संलग्न है।
4. स्नातकोत्तर प्रथम सत्र 2021–2022 के पाठ्यक्रम में **द्वितीय प्रश्नपत्र में प्राकृत भाषा को समावेशित किया गया व्याकरण एवं पाली के स्थान पर 'व्याकरण, पालि एवं प्राकृत भाषा'** यह द्वितीय प्रश्नपत्र का शीर्षक रखा गया। परिवर्तित पाठ्यक्रम संलग्न है।
5. स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध 2021–2022 हेतु प्रथम प्रश्नपत्र में 'वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास' के अन्तर्गत इकाई–01 में **इन्द्र सूक्त–1/32** के स्थान पर **इन्द्र सूक्त–2/12, सूर्य सूक्त–1/115** के स्थान पर सूर्य **सूक्त–1/125** रखा गया है– परिवर्तित पाठ्यक्रम संलग्न है।
6. स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध 2021–2022 के लिए पञ्चम प्रश्नपत्र में भी परिवर्तन किया गया– सत्र–2020–2021 के पाठ्यक्रम में इकाई–01 में **कठोपनिषद् प्रथम अध्याय के स्थान पर 'ईशावास्योपनिषद्'** इकाई–02 में **श्रीमद्भगवद्गीता के तृतीय अध्याय के 01–40 श्लोक पर्यन्त** रखा गया है। **मनुस्मृति– द्वितीय अध्याय के 01–40 श्लोक पर्यन्त** रखा गया है। **याज्ञवल्क्य स्मृति को प्रथम सत्रार्द्ध** के **पञ्चम प्रश्नपत्र से हटा दिया गया** है। **'कौटिलीयं–अर्थशास्त्रम् के विनयाधिकारिकं–प्रथम अधिकरणम् का 01–05 अध्याय पूर्ववत् ही है** परिवर्तित पाठ्यक्रम संलग्न है।

7. स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध के चतुर्थ प्रश्नपत्र में आंशिक परिवर्तन किया गया है। 2020–2021 सत्र में **'हर्षचरितम्' (बाणभट्ट रचित) प्रथम उच्छ्वास** के स्थान पर **'रत्नावली'–हर्षदेव कृत नाटिका** रखी गयी हैं चतुर्थ प्रश्नपत्र का शीर्षक **'नाटक एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास'** के स्थान पर **'संस्कृत–रूपक एवं रूपकार'** रखा गया है। यह **परिवर्तन 2021–2022 के सत्र में स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध** में प्रभावी रहेंगा।

स्नातकोत्तर प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सत्रार्द्ध के प्रस्तावित पाठ्यक्रम की बाह्य विशेषज्ञों एवं पाठ्यसमिति के आमन्त्रित सदस्यों द्वारा संस्तुति की गयी। यह संस्तुति वर्ष 2020–2021 से प्रारम्भ किये गये सी0बी0सी0एस0 पाठ्यक्रम के सन्दर्भ में पूर्ण सहमति के साथ दी गयी।

8. समय–समय पर संचालित स्नातक–स्नाकोत्तर के प्रश्नपत्र निर्माण एवं मौखिक–परीक्षा के परीक्षकों के पैनल निर्माण पर बाह्य–विषय विशेषज्ञों के साथ–साथ समिति के अन्य समस्त सदस्यों द्वारा संस्तुति।

9. भविष्य में पाठ्यक्रम एवं अङ्क सम्बन्धी किसी भी प्रकार के परिवर्तन होने की स्थिति में कला–संङ्काय के अन्य विषयों की भॉति समरूपता नीति (Uniform Policy) के आधार पर संयोजक संस्कृत विभाग एवं विभागीय सदस्यों द्वारा विवेक से परिवर्तन किये जाने पर बाह्य विषय–विशेषज्ञों एवं अन्य समस्त–समिति के सदस्यों द्वारा संस्तति प्रदान की गयी।

10. अन्य विषयों के अभाव में बैठक सधन्यवाद स्थगित की गई।

(जयातिवारी)
संयोजक संस्कृत पाठ्यक्रम
कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल।

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखण्ड)
की संस्कृत पाठ्य समिति की आनलाईन बैठक
दिनांक 09/6/2021 के कार्यवृत्त की संस्तुति
(कौशल्या दासश्री वैष्णव)
09/6/2021
प्रोफेसर तथा पूर्व अध्यक्ष
प्राच्य संस्कृत विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

09 जून 2021 को संस्कृत पाठ्यक्रम समीति की बैठक में कृत कार्यवाही के निष्कर्षों में मेरी सहमति है।
KPant
(प्रोफेसर कमला पन्त)
संस्कृत-विभाग
एम0बी0 जी0पी0 जी0 कॉलेज
हल्द्वानी, नैनीताल

सेवा में-

कुलसचिव महोदय

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

महोदय,

09 जून 2021 को कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल के संस्कृत विभाग की पाठ्यक्रम समिति का आयोजन संस्कृत की मर्मज्ञ विदुषी बहिन प्रो0 जया तिवारी जी के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ, जिसमें सदस्य होने के कारण मैंने भी प्रतिभाग लिया। मैं समिति के द्वारा की गयी कार्यवाही और दी गयी विभिन्न सहमतियों से तो सहमत हूँ ही, किन्तु 'प्रो0 जया तिवारी जी के द्वारा पाठ्यक्रम में आर्षग्रन्थों का संयोजन करना' और उस विषय को सभी सदस्यों के द्वारा सहर्ष स्वीकार करके विदुषी बहिन को नये पाठ्यक्रम को जोड़ने के लिये बधाई देना हर्ष का विषय रहा।

मैं पाठ्यक्रम समिति के द्वारा लिये गये निर्णय से सहमत हूँ और आर्ष ग्रन्थों को पाठ्यक्रम समिति में लगाने के लिये प्रो0 जया तिवारी जी को हार्दिक बधाई देता हूँ।

09 जून 2021

(प्रो0 सत्यदेवनिगमालंकार)
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान
गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार

दि0 9-6-21

सेवामें,
विभागाध्यक्षा,
संस्कृत विभाग,
कुमाऊँ विश्वविद्यालय,
नैनीताल, उत्तराखण्ड

विषय -- B.O.S. (की बैठक) में लिए गये निर्णयों के संदर्भ में स्वीकृति।

मान्या महोदया,

दि0 09-6-2021 को प्रात: 11 बजे ON LINE सम्पन्न हुई B.O.S की बैठक में स्नातकोत्तर कक्षाओं की C.B.C.S पाठ्यक्रम में संदर्भ में जो भी निर्णय सर्वसम्मति से लिए गये हैं उनके संदर्भ में मैं अपनी पूर्ण सहमति सहर्ष प्रेषित करता हूँ।

सादर -
भवदीय
Uodiyal
प्रो0 जे0 के0 गोदियाल

सेवा में
कुलसचिव
कुमाऊँ विश्वविद्यालय,
नैनीताल

महोदय,

9 जून 2021 को कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल के संस्कृत विभाग की पाठ्यक्रम समिति की बैठक विश्वविद्यालय की संस्कृत विभाग प्रभारी प्रो0 जया तिवारी जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मैं भी समिति के एक सदस्य के रूप में सम्मिलित हुआ। समिति में पाठ्यक्रम (CBCS) की योजना पर गहन विचार विमर्श हुआ एवं पाठ्यक्रम को अन्तिम रूप दिया गया।

मैं पाठ्यक्रम समिति में लिए गये निर्णयों पर अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त करता हूँ।

दिनांक - 09 जून 2021

(प्रोफे0 किरन कुमार
प्रोफेसर संस्कृत विभाग
एम.बी. राज. स्नातकोत्तर [illegible]
हल्द्वानी, नैनीताल

सी0बी0सी0एस0– स्नातकोत्तर संस्कृत पाठ्यक्रम–2020–21

संस्कृत में स्नातकोत्तर (एम0ए0) उपाधि के इस पाठ्यक्रम में कुल 25 प्रश्नपत्र हैं–

1. 15 प्रश्नपत्र अनिवार्य पाठ्यक्रम (कोर कोर्स) के अन्तर्गत हैं, जिनमें से प्रत्येक का चयन संस्कृत के विद्यार्थी द्वारा अनिवार्य रूप से किया जायेगा। प्रथम तथा द्वितीय सत्रार्द्ध में 05–05 अनिवार्य पाठ्यक्रम (कोर कोर्स) हैं।
2. तृतीय सत्रार्द्ध में 03 अनिवार्य पाठ्यक्रम (कोर कोर्स) सम्मिलित किये गये हैं तथा ऐच्छिक पाठ्यक्रम (इलेक्टिव कोर्स) के अन्तर्गत 03 वर्ग– **(क) साहित्य वर्ग (ख) व्याकरण वर्ग (ग) दर्शन वर्ग** हैं। प्रत्येक वर्ग में 02–02 प्रश्नपत्र हैं। संस्कृत के विद्यार्थी द्वारा किसी एक वर्ग का चयन किया जाना है। इनके अतिरिक्त 02 मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (ओपेन इलेक्टिव कोर्स) हैं जिनमें से किसी 01 प्रश्नपत्र का चयन किया जाना हैं।
3. चतुर्थ सत्रार्द्ध में 02 अनिवार्य पाठ्यक्रम (कोर कोर्स) सम्मिलित किये गये हैं तथा ऐच्छिक पाठ्यक्रम (इलेक्टिव कोर्स) के अन्तर्गत 03 वर्ग– **(क) साहित्य वर्ग (ख) व्याकरण वर्ग (ग) दर्शन वर्ग** हैं। प्रत्येक वर्ग में 02–02 दो प्रश्नपत्र हैं। संस्कृत के विद्यार्थी द्वारा किसी 01 वर्ग का चयन किया जाना है। इनके अतिरिक्त 02 मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (ओपेन इलेक्टिव कोर्स) हैं जिनमें से भी किसी एक प्रश्नपत्र का चयन किया जाना है।

नोट– तृतीय सत्रार्द्ध के ऐच्छिक पाठ्क्रम (इलेक्टिव कोर्स) में 03 वर्गों में से जिस वर्ग का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जायेगा हैं। उसी वर्ग का चयन विद्यार्थी द्वारा चतुर्थ सत्रार्द्ध के ऐच्छिक पाठ्यक्रम (इलेक्टिव कोर्स) के वर्ग से किया जाना अनिवार्य है।

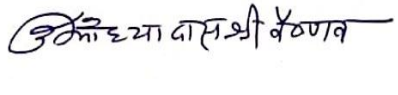
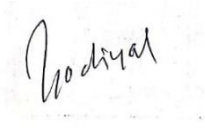
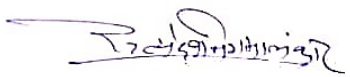

अध्ययन की सुविधा के लिए पाठ्यक्रम की आंतरिक संरचना का विवरण सारणी के माध्यम से भी दिया जा रहा है–

सत्रार्द्ध (सेमेस्टर)	अनिर्वाय पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)	ऐच्छिक पाठ्यक्रम (इलेक्टिव कोर्स)	मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (ओपेन इलेक्टिव कोर्स)
स्नातकोत्तर प्रथम कुल श्रेयांक (क्रेडिट्स) 20	5X4=20 श्रेयांक (क्रेडिट्स) **(2020–2021 में प्रभावी)** 1. वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास **2. व्याकरण एवं पालि** 3. सांख्य एवं न्यायदर्शन **4. नाटक एवं संस्कृतसाहित्य का इतिहास** 5. उपनिषद् एवं धर्मशास्त्र **अथवा** वैदिक साहित्य का इतिहास		
केवल स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध 2021–2022 में प्रभावी	5X4=20 श्रेयांक (क्रेडिट्स) **(2021–2022 में प्रभावी)** 1. वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास **2. व्याकरण, पालि एवं प्राकृतभाषा** 3. सांख्य एवं न्यायदर्शन **4. संस्कृत रूपक एवं रूपककार** **5. उपनिषद् एवं धर्मशास्त्र**		
स्नातकोत्तर द्वितीय कुल श्रेयांक (क्रेडिट्स) (श्रेयांक) 20	5X4=20 श्रेयांक (क्रेडिट्स) **(2020–2021 में प्रभावी)** 6–वेदाङ्ग (निरुक्त एवं पाणिनीय शिक्षा) 7–व्याकरण एवं भाषाविज्ञान 8–वेदान्त एवं दर्शनसाहित्य का इतिहास 9–काव्य एवं भारतीय संस्कृति 10–उपनिषद् एवं धर्मशास्त्र		

स्नातकोत्तर तृतीय कुल श्रेयांक (क्रेडिट्स) 22	3X4=12 श्रेयांक (क्रेडिट्स) **(2021–2022 में प्रभावी)** 11–व्याकरण अथवा लघु शोधकार्य 12–गद्य एवं ऐतिहासिक काव्य 13–अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य का इतिहास (18वीं शताब्दी से लेकर अद्यावधि पर्यन्त)	02X4=08 श्रेयांक (क्रेडिट्स) **1–साहित्य वर्ग–** 1. काव्यशास्त्र 2. साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र **2–दर्शन वर्ग–** 1. भारतीय दर्शन 2. सांख्य, योग एवं चार्वाक दर्शन **3–व्याकरण वर्ग–** 1. प्रक्रिया (वैयाकरणभूषण एवं लघुसिद्धान्तकौमुदी) 2. प्रक्रिया (परमलघुमञ्जूषा एवं सिद्धान्तकौमुदी) **नोट–**तीन वर्ग हैं। प्रत्येक वर्ग में 2 प्रश्न पत्र हैं। कोई एक वर्ग लेना अनिवार्य है।	01X2=02 श्रेयांक (क्रेडिट्स) = 50अंक 1–संस्कृतभाषा का अध्ययन 2–आर्ष काव्य–रामायण के काण्डों का परिचय एवं आदित्यहृदयस्तोत्र
स्नातकोत्तर चतुर्थ कुल श्रेयांक (क्रेडिट्स) 18	02ग4=08 श्रेयांक (क्रेडिट्स) **(2020–2021 में प्रभावी)** 14–संस्कृत प्रकरण ,चम्पूकाव्य एवं निबन्ध 15–मौखिकी परीक्षा	02X4=08 श्रेयांक (क्रेडिट्स) **4–साहित्य वर्ग–** 1. काव्यशास्त्र 2. साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र **5–दर्शन वर्ग–** 1. मीमांसा, वेदान्त एवं बौद्ध दर्शन 2. न्याय, वैशोषिक एवं जैन दर्शन **6–व्याकरण वर्ग–** 1. व्याकरणदर्शन, ण्यन्तादि एवं नामधात्वादि प्रक्रिया 2. प्रक्रिया–वैयाकरणभूषणसार एवं तद्धितप्रकरण **नोट–** तीन वर्ग हैं। प्रत्येक वर्ग में 2 प्रश्न पत्र हैं। कोई एक वर्ग लेना अनिवार्य है।	01X2=02 श्रेयांक (क्रेडिट्स) केडिट्स = 50 अंक 3–उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकार 4–आर्ष काव्य–महाभारत के सर्गो का परिचय एवं विष्णुसहस्रनामस्तोत्र
कुल श्रेयांक (क्रेडिट्स) 80	15 **अनिर्वाय पाठ्यक्रम (कोर कोर्स संस्कृत)** (CC Sanskrit) के हैं	06 वर्ग **ऐच्छिक पाठ्यक्रम (इलेक्टिव कोर्स संस्कृत)** (EC Sanskrit) के हैं जिसमें 12 प्रश्नपत्र हैं। विद्यार्थी एक समान वर्ग से 04 प्रश्नपत्रों का चयन करेगें।	04 **मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (ओपेन इलेक्टिव कोर्स)** (OEC Sanskrit) हैं जिनमें से विद्यार्थी तृतीय सत्रार्द्ध में किसी एक का तथा चतुर्थसत्रार्द्ध में भी किसी एक का चयन करेगें। 4 श्रेयांक (क्रेडिट्स) = 100 अंक (70+30 आन्तरिक मूल्यांकन)

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– प्रथम प्रश्नपत्र– 1/1 वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास

2020–2021 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

वेद से निम्नलिखित सूक्त–

इकाई– 01 इन्द्र–1/32, सूर्य– 1/115, अग्नि– 1/143
इकाई– 02 उषस्– 3/61, पुरुष सूक्त– 10/90
इकाई– 03 नासदीय– 10/129, हिरण्यगर्भ– 10/121 विश्वामित्र–नदी संवाद–3/33
इकाई– 04 यजुर्वेद– योगक्षेम–22/22, अथर्ववेद– राष्ट्राभिवर्धन–1/29
इकाई– 05 वैदिक साहित्य का इतिहास

सहायक पुस्तकेंः–

1. द न्यू वैदिक सलेक्शन भाग–01 तथा भाग–02– सम्पादक– ब्रजबिहारी चौबे (तैलंग एवं चौबे)
2. ऋक्सूक्त संग्रह– डॉ0 हरिदत्त शास्त्री एवं डॉ0 कृष्णकुमार– प्रकाशन– साहित्य भण्डार सुभाष बाजार मेरठ– 250002
3- Hymns of the Rigvdea- Peterson
4. वैदिक साहित्य का इतिहास– प्रो0 राममूर्ति शर्मा
5. वैदिक साहित्य का इतिहास– गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर एवं पं0 राजेश्वर (राजू) केशवशास्त्री मुसलगाँवकर प्रकाशन– चौखम्बा संस्कृत, वाराणसी
6. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह
7. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 वाचस्पति गैरोला
8. ऋक् सूक्त मंजूषा– प्रो0 महावीर अग्रवाल, सत्यं प्रकाशन, नई दिल्ली

अंक विभाजनः–

1.	किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या	20 अंक
2.	किसी एक संहिता का पदपाठ	05 अंक
3.	मंत्र के देवता अथवा सूक्त की विशेषता पर दो प्रश्न	20 अंक
4.	वैदिकसाहित्य से सम्बन्धित दो लघूत्तरीय प्रश्न	10 अंक
5.	वैदिकसाहित्य से सम्बन्धित दो दीर्घोत्तरीय प्रश्न	20 अंक

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– प्रथम प्रश्नपत्र–1/1 वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास

आंशिक परिवर्तन के साथ वर्ष 2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

वेद से निम्नलिखित सूक्त–

इकाई– 01 इन्द्र– 2/12, सूर्य– 1/125, अग्नि– 1/143
इकाई– 02 उषस्– 3/61, पुरुष सूक्त– 10/90
इकाई– 03 नासदीय– 10/129, हिरण्यगर्भ– 10/121 विश्वामित्र–नदी संवाद– 3/33
इकाई– 04 यजुर्वेद– योगक्षेम– 22/22, अथर्ववेद–राष्ट्राभिवर्धन– 1/29
इकाई– 05 वैदिक साहित्य का इतिहास

सहायक पुस्तकेंः–

1. द न्यू वैदिक सलेक्शन भाग–01 तथा भाग–02– सम्पादक– ब्रजबिहारी चौबे (तैलंग एवं चौबे)
2. ऋक्सूक्त संग्रह– डॉ0 हरिदत्त शास्त्री एवं डॉ0 कृष्णकुमार–प्रकाशन– साहित्य भण्डार सुभाष बाजार मेरठ– 250002
3- Hymns of the Rigvdea- Peterson
4. वैदिक साहित्य का इतिहास– प्रो0 राममूर्ति शर्मा
5. वैदिक साहित्य का इतिहास– गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर एवं पं0 राजेश्वर (राजू) केशवशास्त्री मुसलगाँवकर प्रकाशन– चौखम्बा संस्कृत, वाराणसी
6. वैदिक साहित्य का इतिहास– कर्णसिंह
7. वैदिक साहित्य का इतिहास– वाचस्पति गैरोला
8. ऋक् सूक्त मंजूषा– प्रो0 महावीर अग्रवाल, सत्यं प्रकाशन, नई दिल्ली

अंक विभाजनः–

1.	किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या	20 अंक
2.	किसी एक संहिता का पदपाठ	05 अंक
3.	मंत्र के देवता अथवा सूक्त की विशेषता पर दो प्रश्न	20 अंक
4.	वैदिकसाहित्य से सम्बन्धित दो लघूत्तरीय प्रश्न	10 अंक
5.	वैदिकसाहित्य से सम्बन्धित दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	20 अंक

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– द्वितीय प्रश्नपत्र– 1/2 व्याकरण एवं पाली

2020–2021 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण– कर्त्ता, कर्म एवं करण।
इकाई– 02 वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण– सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध एवं अधिकरण।
इकाई– 03 समास प्रकरण– लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर।
इकाई– 04 पालि–धम्मपद–पंचवग्गपर्यन्त।
इकाई– 05 पालि–धम्मपद–दसवग्गपर्यन्त।

सहायक पुस्तकें :–

1. सिद्धान्त कौमुदी– भट्टोजिदीक्षित, व्याख्याकार– श्री गोपालदत्त पाण्डेय।ष
2. सिद्धान्त कौमुदी– भट्टोजिदीक्षित, व्याख्याकार– श्री बालकृष्ण पंचोली
3. एम0 ए0 संस्कृत व्याकरण– श्रीनिवास शास्त्री।
4. धम्मपद– सम्पादक, कन्छेदीलाल गुप्त।
5. पालि साहित्य का इतिहास– डॉ0 भरतसिंह उपाध्याय।
6–लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्रीधरानन्द शास्त्री।
7–तिङन्त प्रकरणम्– डॉ0 लज्जा भट्ट

अंक विभाजन–

किन्हीं तीन सूत्रों की व्याख्या	15 अंक
किन्हीं तीन प्रयोगों की सूत्र निर्देश पूर्वक सिद्धि	15 अंक
किन्हीं तीन समास प्रयोगों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि	15 अंक
(क) धम्मपद से एक गाथा का अनुवाद (ख) एक गाथा की संस्कृत छाया	(क) 10 अंक (ख) 05 अंक
पालि से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	15 अंक

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– द्वितीय प्रश्नपत्र– 1/2 व्याकरण, पाली एवं प्राकृत
आंशिक परिवर्तन के साथ 2021–2022 में प्रभावी
श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण– कर्त्ता, कर्म एवं करण।
इकाई– 02 वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण– सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध एवं अधिकरण।
इकाई– 03 समास प्रकरण– लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर।
इकाई– 04 धम्मपद– दसवग्गपर्यन्त।
इकाई– 05 प्राकृत भाषा परिचय।

सहायक पुस्तकें :–

1. सिद्धान्त कौमुदी– भट्टोजिदीक्षित, व्याख्याकार– श्री गोपालदत्त पाण्डेय।
3. एम0 ए0 संस्कृत व्याकरण– श्रीनिवास शास्त्री।
4. धम्मपद– सम्पादक, कन्छेदीलाल गुप्त।
5. पालि साहित्य का इतिहास– डॉ0 भरतसिंह उपाध्याय।
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्रीधरानन्द शास्त्री।
7 तिङन्त प्रकरणम्– डॉ0 लज्जा भट्ट
8–अभिनव प्राकृत प्रकाश– नेमिचन्द्र शास्त्री
9–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र– डा0 कपिलदेव द्विवेदी

अंकविभाजन–

किन्हीं तीन सूत्रों की व्याख्या	15 अंक
किन्हीं तीन प्रयोगों की सूत्र निर्देश पूर्वक सिद्धि	15 अंक
किन्हीं तीन समास प्रयोगों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि	15 अंक
(क) धम्मपद से एक गाथा का अनुवाद (ख) एक गाथा की संस्कृत छाया	(क) 10 अंक (ख) 05 अंक
पालि एवं प्राकृत से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	15 अंक

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र– 1/3 सांख्य एवं न्यायदर्शन
श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 सांख्यकारिका– ईश्वर कृष्ण कृत (1–20 वीं कारिका पर्यन्त)
इकाई– 02 सांख्यकारिका– ईश्वर कृष्ण कृत (21-40 वीं कारिका पर्यन्त)
इकाई– 03 तर्कभाषा– प्रारम्भ से अनुमान पर्यन्त।
इकाई– 04 तर्कभाषा– उपमान से शब्द प्रमाण पर्यन्त।
इकाई– 05 तर्कभाषा– प्रामाण्यवाद।

सहायक पुस्तकें :–

1. सांख्यकारिका– ढुण्ढिराज शास्त्री
2. सांख्यकारिका– डॉ0 रमाशंकर तिवारी
3. सांख्यकारिका– जगन्नाथ शास्त्री
4. सांख्यकारिका– डॉ0 रामकृष्ण आचार्य
5. तर्कभाषा– आचार्य विश्वेश्वर पाण्डे
6. तर्कभाषा– श्रीनिवास शास्त्री
7. तर्कभाषा– आचार्य बद्रीनाथ शुक्ल
8. भारतीय दर्शन– उमेश मिश्र
9. Indian Philosophy– Das Gupta

अंक विभाजनः–

सांख्यकारिका से दो कारिकाओं की व्याख्या– 20 कारिका तक	2X7.5=15 अंक
सांख्यकारिका से दो कारिकाओं की व्याख्या– 21 कारिका से 40 तक	2X7.5=15 अंक
तर्कभाषा से दो व्याख्याएँ–प्रारम्भ से अनुमान पर्यनत	2X7.5=15 अंक
तर्कभाषा से दो व्याख्याएँ–शब्द से प्रामाण्यवाद पर्यनत।	2X7.5=15 अंक
(क) सांख्यकारिका से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (ख) तर्कभाषा से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	(क) 1X 7.5 (ख) 1X 7.5

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– चतुर्थ प्रश्नपत्र– 1/4 नाटक एवं संस्कृतसाहित्य का इतिहास

सन् 2020–2021 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 उत्तररामचरितम्– भवभूति अंक 01–03 तक।
इकाई– 02 उत्तररामचरितम्– भवभूति अंक 04 एवं 05 तक।
इकाई– 03 उत्तररामचरितम्– भवभूति अंक 06 एवं 07 तक।
इकाई– 04 हर्षचरितम्– बाणभट्ट, प्रथम उच्छ्वास
इकाई– 05 संस्कृतसाहित्य का इतिहास–निम्नांकित के संदर्भ में– भास, कालिदास, भवभूति, शूद्रक, विशाखदत्त, भट्ट नारायण,।

सहायक पुस्तकें :–

1.	उत्तररामचरितम्–	कपिलदेव द्विवेदी
2.	उत्तररामचरितम्–	कृष्णकान्त शुक्ल एवं ब्रह्मानन्द शुक्ल
3.	उत्तररामचरितम् की शास्त्रीय समीक्षा–	डॉ0 सत्यनारायण चौधरी
4.	भवभूति एवं उनकी नाट्यकला–	अयोध्याप्रसाद सिंह
5.	संस्कृत सुकवि समीक्षा–	बलदेव उपाध्याय
6.	संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–	कपिलदेव द्विवेदी
7.	संस्कृत साहित्य का इतिहास–	बलदेव उपाध्याय
8.	संस्कृत काव्यकार–	हरिदत्त शास्त्री
9.	हर्षचरितम्–	बाणभट्ट, प्रथम उच्छ्वास

अंक विभाजनः–

उत्तररामचरितम् से दो श्लोकों की व्याख्या	2 X7.5= 15 अंक
उत्तररामचरितम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1X15=15 अंक
हर्षचरितम्– से दो व्याख्याऐं	2X7.5=15 अंक
हर्षचरितम्– एक समीक्षात्मक प्रश्न	1X15=15 अंक
संस्कृत नाटककारों से सम्बन्धित दो लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	15 अंक

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– चतुर्थ प्रश्नपत्र– 1/4 संस्कृतरूपक एवं रूपककार
आंशिक परिवर्तन के साथ सन् 2021–2022 में प्रभावी
श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 उत्तररामचरितम्– भवभूति अंक 01–02 तक।
इकाई– 02 उत्तररामचरितम्– भवभूति अंक 03 एवं 04 तक।
इकाई– 03 रत्नावली– हर्षदेवकृत
इकाई– 04 सम्बन्धित ग्रन्थों का नाट्यशास्त्रीय अध्ययन।
इकाई– 05 संस्कृत रूपककार परिचय–निम्नांकित के संदर्भ में– भास, कालिदास, हर्ष, भवभूति, शूद्रक, विशाखदत्त, भट्ट नारायण,।

सहायक पुस्तकें :–

1.	उत्तररामचरितम्–	कपिलदेव द्विवेदी
2.	उत्तररामचरितम्–	कृष्णकान्त शुक्ल एवं ब्रह्मानन्द शुक्ल
3.	उत्तररामचरितम् की शास्त्रीय समीक्षा–	डॉ0 सत्यनारायण चौधरी
4.	भवभूति एवं उनकी नाट्यकला–	अयोध्याप्रसाद सिंह
5.	संस्कृत सुकवि समीक्षा–	बलदेव उपाध्याय
6.	संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–	कपिलदेव द्विवेदी
7.	संस्कृत साहित्य का इतिहास–	बलदेव उपाध्याय
8.	संस्कृत काव्यकार–	हरिदत्त शास्त्री
9.	रत्नावली–	हर्षदेवकृत–व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ0 शिवप्रसाद शास्त्री, मेरठ साहित्य भण्डार 1994

अंक विभाजनः–

उत्तररामचरितम् से दो श्लोकों की व्याख्या	2 X7.5= 15 अंक
उत्तररामचरितम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1X15=15 अंक
रत्नावली से दो व्याख्याऐं	2X7.5=15 अंक
रत्नावली से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1X15=15 अंक
संस्कृत रूपककारों से सम्बन्धित दो लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	15 अंक

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– पञ्चम प्रश्नपत्र–भाग–1–1/5 उपनिषद् एवं धर्मशास्त्र

2020–2021 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 कठोपनिषद्– प्रथम अध्याय
इकाई– 02 श्रीमद्भगवद्गीता– तृतीय अध्याय
इकाई– 03 याज्ञवल्क्यस्मृति– व्यवहाराध्याय 1–5 प्रकरण
इकाई– 04 मनुस्मृति– द्वितीय अध्याय
इकाई– 05 कौटलीयं– अर्थशास्त्रम्– विनयाधिकारिकं प्रथममधिकरणम्– 01–05 अध्याय

सहायक पुस्तकें:–

1. कठोपनिषद्– गीताप्रेस,गोरखपुर
2. श्रीमद्भगवद्गीता– गीताप्रेस, गोरखपुर
3. याज्ञवल्क्यस्मृति– विज्ञानेश्वर प्रणीत मिताक्षरी टीका सहित, हिन्दीव्याख्याकार उमेश चन्द्र,वाराणसी चौखम्बा सं0सं0।
4. मनुस्मृति– सम्पादक राजवीर शास्त्री दिल्ली,आर्षसाहित्य प्रचार ट्रस्ट 1985।
5. कौटलीयं–अर्थशास्त्रम्– हिन्दी अनुवादसहित, अनुवादक और भाष्यकार रघुनाथ सिहं, वाराणसी कृष्णदास सीरिज।
6. कौटलीयं–अर्थशास्त्रम्– हिन्दी अनुवादसहित, अनुवादक और भाष्यकार वाचस्पति गैरोला, वाराणसी चौखम्बा विद्याभवन,2009
7. कौटलीयं–अर्थशास्त्रम्–टीकाकार– पाण्डेय रामतेज शास्त्री, प्रकाशक पण्डित–पुस्तकालय काशी,
8. उपनिषद्भाष्य– महात्मा नारायणस्वामी कृत।
   –स्वामी ब्रह्ममुनिकृत।
   –डॉ0 सत्यव्रत सिद्धान्तांलकार कृत।

अंक विभाजन–

कठोपनिषद् से दो व्याख्याएँ	2X6=12 अंक
श्रीमद्भगवद्गीता से दो व्याख्याएँ	2X6=12 अंक
याज्ञवल्क्यस्मृति–व्यवहाराध्याय से दो व्याख्याएँ	2X8=16 अंक
मनुस्मृति से दो व्याख्याएँ	2X7.5=15 अंक
कौटिलीयं– अर्थशास्त्रम् से एक व्याख्या	10 अंक
उपर्युक्त पाठ्य ग्रन्थों में से दो टिप्पणी	2X5=10 अंक

अथवा

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध–पञ्चम प्रश्नपत्र–भाग– 2 – 1/5 वैदिक साहित्य का इतिहास

2020–2021 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 वैदिक संहिता परिचय

इकाई– 02 ब्राह्मण एवं आरण्यक परिचय

इकाई– 03 उपनिषद् परिचय

इकाई– 04 स्मृतियों का सामान्य परिचय

इकाई– 05 वेदांग परिचय

सहायक पुस्तकें:–

1. वैदिक वाङ्मय का वृहद् इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. वैदिक साहित्य का इतिहास– प्रो. राममूर्ति शर्मा
3. वैदिक साहित्य का इतिहास– गजानन शास्त्री मुसलगॉवकर एवं राजेश्वर राजू
4. वैदिक साहित्य का इतिहास– कर्णसिंह
5. वैदिक साहित्य का इतिहास– वाचस्पति गैरोला वाराणसी चौखम्बा विद्याभवन,2009।
6. उपनिषद्भाष्य– महात्मा नारायणस्वामी कृत।
   –स्वामी ब्रह्ममुनिकृत।
   –डा0 सत्यव्रत सिद्धान्तांलकार कृत।
7. – उपनिषद्– गीताप्रेस गोरखपुर
8. – स्मृतियाँ– गीताप्रेस गोरखपुर

अंक विभाजन–

वैदिक संहिता से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
ब्राह्मण एवं आरण्यक से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
उपनिषद् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
'स्मृतियों का सामान्य परिचय' से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
वेदांग परिचय से एक एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
उपर्युक्त पाठ्य विषयों में से दो पर टिप्पणी	15 अंक

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– पञ्चम प्रश्नपत्र–1/5 उपनिषद् एवं धर्मशास्त्र
आंशिकपरिवर्तन के साथ 2021–2022 में प्रभावी
श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 ईशावास्योपनिषद्
इकाई– 02 श्रीमद्भगवद्गीता–तृतीय अध्याय– 01 से 40 श्लोक पर्यन्त
इकाई– 03 मनुस्मृति– द्वितीय अध्याय 01 से 40 श्लोक पर्यन्त
इकाई– 04 कौटलीयं–अर्थशास्त्रम्– विनयाधिकारिकं प्रथममधिकरणम्– 01–05 अध्याय
इकाई– 05 सम्बन्धित ग्रन्थों का विवेचनात्मक अध्ययन।

सहायक पुस्तकें:–

1. ईशावास्योपनिषद्– गोरखपुर गीता प्रेस
2. श्रीमद्भगवद्गीता– गोरखपुर गीता प्रेस
3. याज्ञवल्क्यस्मृति– सम्पादक डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डे
4. कौटिलीयं–अर्थशास्त्रम्– हिन्दी अनुवादसहित, अनुवादक और भाष्यकार वाचस्पति गैरोलां, वाराणसी चौखम्बा विद्याभवन,2009
5. कौटलीयं–अर्थशास्त्रम्–टीकाकार– पाण्डेय रामतेज शास्त्री, प्रकाशक पण्डित–पुस्तकालय काशी,
6. उपनिषद्भाष्य– महात्मा नारायणस्वामी कृत।
   –स्वामी ब्रह्ममुनिकृत।
   –डा0 सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार कृत।

अंक विभाजन–

ईशावास्योपनिषद् से एक व्याख्या	10 अंक
श्रीमद्भगवद्गीता से एक व्याख्या	10 अंक
मनुस्मृति–से एक व्याख्या	10 अंक
कौटलीयं–अर्थशास्त्रम् से एक व्याख्या	10 अंक
उपर्युक्त पाठ्य ग्रन्थों में से दो टिप्पणी	20 अंक
उपनिषद् एवं धर्मशास्त्र से एक दीर्घोत्तरीय प्रश्न	15 अंक

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध– प्रथम प्रश्नपत्र– 2/1 वेदांग (निरुक्त एवं पाणिनीय शिक्षा)

2020–2021 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 निरुक्त– यास्क (प्रथम अध्याय) 1–2 पाद
इकाई– 02 निरुक्त– यास्क (प्रथम अध्याय) 3–4 पाद
इकाई– 03 निरुक्त– यास्क (प्रथम अध्याय) 5–6 पाद
इकाई– 04 पाणिनीय शिक्षा– 1–30 कारिकाएँ
इकाई– 05 पाणिनीय शिक्षा– 31 से अन्त तक कारिकाएँ

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी निरुक्त– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
2. हिन्दी निरुक्त– छज्जूराम शास्त्री
3. पाणिनीय शिक्षा– रुद्रप्रसाद अवस्थी
4. पाणिनीय शिक्षा– प्रो0 श्रीनारायण मिश्र
5. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
6. यास्ककृत निरुक्त– सम्पादक– उमाशंकर ऋषि

अंक विभाजन :–

निरुक्त से दो सूत्रों की व्याख्या	15 अंक
(क) निरुक्त से समीक्षात्मक प्रश्न (ख) निरुक्त से एक टिप्पणी	1X10=10 अंक 1X5 = 05 अंक
तीन पदों के निर्वचन	3X5 =15 अंक
पाणिनीय शिक्षा से दो व्याख्या	15 अंक
(क) पाणिनीय शिक्षा से एक समीक्षात्मक प्रश्न (ख) पाणिनीय शिक्षा से एक टिप्पणी	1X10 = 10 अंक 1X5 = 05 अंक

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध– द्वितीय प्रश्नपत्र– 2/2 व्याकरणदर्शन एवं भाषाविज्ञान

2020–2021 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि, 1–20 कारिकाएँ
इकाई– 02 वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि, 21–40 कारिकाएँ
इकाई– 03 भाषाविज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, उद्‌गम एवं विकास
इकाई– 04 ध्वनि विज्ञान एवं वाक्यविज्ञान
इकाई– 05 अर्थविज्ञान एवं ध्वनि नियम

सहायक पुस्तकें :–

1. वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि
2. अभिनव प्राकृत प्रकाश– नेमिचन्द्र शास्त्री
3. संस्कृत भाषा विज्ञान– राजकिशोर सिंह
4. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
5. भाषा विज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी–इलाहाबाद किताब महल
6. भाषा विज्ञान– डॉ0 कर्णसिंह–साहित्य भण्डार सुभाष बाजार मेरठ

अंक विभाजन :–

वाक्यपदीयम् से दो व्याख्याएँ	15 अंक
वाक्यपदीयम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
वाक्यपदीयम् से दो टिप्पणी	10 अंक
भाषा विज्ञान पर दो समीक्षात्मक प्रश्न	25 अंक
भाषा विज्ञान से दो टिप्पणियां	15 अंक

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र– 2/3 वेदान्त एवं दर्शनशास्त्र का इतिहास

2020–2021 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 वेदान्तसार– सदानन्द, प्रारम्भ से पंचीकरण प्रक्रिया।
इकाई– 02 दर्शनशास्त्र का इतिहास– सांख्य एवं योग।
इकाई– 03 दर्शनशास्त्र का इतिहास– न्याय, एवं वैशेषिक।
इकाई– 04 दर्शनशास्त्र का इतिहास– मीमांसा एवं वेदान्त।
इकाई– 05 दर्शनशास्त्र का इतिहास– चार्वाक, बौद्ध एवं जैन (नास्तिक) दर्शन।

सहायक पुस्तकें :–

1. वेदान्तसार– रामशरण त्रिपाठी
2. वेदान्तसार– राममूर्ति शर्मा
3. वेदान्तसार– महेशचन्द्र भारतीय
4. भारतीय दर्शन– बलदेव उपाध्याय
5. भारतीय दर्शन– उमेश मिश्र
6. भारतीय दर्शन– दत्त एवं चटर्जी
7. Indian Philosophy- Das Gupta

अंक विभाजन :–

वेदान्तसार से दो व्याख्या–	25 अंक
वेदान्तसार से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
आस्तिक दर्शन से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
नास्तिक दर्शन से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
उक्त पठित ग्रन्थों से तीन टिप्पणी	15अंक

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध– चतुर्थ प्रश्नपत्र– 2/4 काव्य एवं भारतीय संस्कृति

2020–2021 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 मेघदूतम्– कालिदासकृत (पूर्वमेघ) 1–20 श्लोक

इकाई– 02 मेघदूतम्– कालिदासकृत (पूर्वमेघ) 21–40 श्लोक

इकाई– 03 नैषधीयचरितम्– श्रीहर्षप्रणीत, (प्रथम सर्ग) 1–20 श्लोक

इकाई– 04 नैषधीयचरितम्– श्रीहर्षप्रणीत, (प्रथम सर्ग) 21–40 श्लोक

इकाई– 05 भारतीय संस्कृति से निम्नलिखित अंश– भारतीयसंस्कृति की मुख्य विशेषताएँ, वर्णाश्रम व्यवस्था, संस्कार, पंच महायज्ञ, प्राचीन भारतीय स्थापत्यकला ,शिल्प एवं अभिलेख।

सहायक पुस्तकें :–

1.	मेघदूतम्–	संसार चन्द्र
2.	मेघदूतम्–	डॉ0 शिवराज शास्त्री
3.	मेघदूतम्–	वैद्यनाथ झा
4.	नैषधीयमहाकाव्यम्–	हरगोविन्द शास्त्री
5.	नैषधमहाकाव्य–	डॉ0 शिवराज शास्त्री
6.	नैषधपरिशीलन–	चण्डिका प्रसाद शुक्ल
7.	भारतीय संस्कृति का इतिहास–	डॉ0 सत्यकेतु विद्यालंकार
8.	भारतीय संस्कृति–	नरेन्द्रदेव शास्त्री
9.	भारतीय संस्कृति के आधारतत्व–	कृष्णकुमार
10.	हमारी प्राचीन संस्कृति–	डॉ0 सत्यप्रकाश शास्त्री

अंक विभाजन :–

मेघदूतम् से दो व्याख्याएँ	15 अंक
मेघदूतम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
नैषधीयचरितम् से दो व्याख्याएँ	15 अंक
नैषधीयचरितम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
भारतीय संस्कृति से एक दीर्घोत्तरीय प्रश्न एवं दो टिप्पणी	15+10=25 अंक

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध– पञ्चम प्रश्नपत्र– 2/5 उपनिषद् एवं धर्मशास्त्र

2020–2021 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 तैत्तिरीयोपनिषद्– शिक्षावल्ली

इकाई– 02 श्रीमद्भगवद्गीता– अठारहवॉ अध्याय–01 से 40श्लोक

इकाई– 03 याज्ञवल्क्यस्मृति– आचाराध्याय–श्राद्धप्रकरण 10 वॉ प्रकरण

इकाई– 04 कौटलीयं– अर्थशास्त्रम्– विनयाधिकारिकं प्रथममधिकरणम्– 06–10 अध्याय

इकाई– 05 पठित अशों से समीक्षात्मक प्रश्न।

सहायक पुस्तकें :–

1. तैत्तिरीयोपनिषद्– गीताप्रेस गोरखपुर।
2. श्रीमद्भगवद्गीता– गीताप्रेस गोरखपुर।
3. याज्ञवल्क्यस्मृति– विज्ञानेश्वरप्रणीतमिताक्षरासहिता हिन्दीव्याख्याकार उमेशचन्द्र।
4. कौटलीयं–अर्थशास्त्रम्– हिन्दी अनुवादसहित, अनुवादक और भाष्यकार वाचस्पति गैरोलां, वाराणसी चौखम्बा विद्याभवन,2009
5. कौटलीयं–अर्थशास्त्रम्–टीकाकार– पाण्डेय रामतेज शास्त्री, प्रकाशक पण्डित–पुस्तकालय काशी,
6. उपनिषद्भाष्य– महात्मा नारायणस्वामी कृत।
   –स्वामी ब्रह्ममुनिकृत।
   –डा0 सत्यव्रत सिद्धान्तांलकार कृत।

अंक विभाजन :–

तैत्तिरीयोपनिषद् से एक मन्त्र की व्याख्या	10 अंक
श्रीमद्भगवद्गीता से एक व्याख्या	10 अंक
याज्ञवल्क्यस्मृति– आचाराध्याय से एक व्याख्या	10 अंक
कौटलीयम् अर्थशास्त्रम् से एक व्याख्या	10 अंक
उपर्युक्त पाठ्य ग्रन्थों में से दो दीर्घोत्तरीय प्रश्न	20 अंक
उपर्युक्त पाठ्य ग्रन्थों में से तीन टिप्पणी	15 अंक

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– प्रथम प्रश्नपत्र– 3/1 व्याकरण

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 महाभाष्य– प्रथमाह्निक व्याकरणप्रयोजन तक
इकाई– 02 महाभाष्य– प्रथमाह्निक–समाप्ति पर्यन्त
इकाई– 03 लघु सिद्धान्तकौमुदी– भू धातु प्रक्रिया (लट्, लिट्, लृट, लोट् और लङ्)
इकाई– 04 लघु सिद्धान्तकौमुदी– एध् धातु प्रक्रिया (लट्, लिट्, लृट, लोट् और लङ्)
इकाई– 05 लघु सिद्धान्तकौमुदी– आत्मनेपद एवं परस्मैपद सूत्र व्याख्या।

सहायक पुस्तकें :–

1. महाभाष्य– पं0 चारुदेव शास्त्री,
2. महाभाष्य–प्रदीपोद्योतटीका सहित– वेदव्रत
3. सिद्धान्तकौमुदी–तत्त्वबोधिनी– पं0 गिरधर शर्मा चतुर्वेदी
4. तिङन्त प्रकरणम्– डॉ0 लज्जा भट्ट
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्रीवरदराजकृत, व्याख्याकार श्रीधरानन्दशास्त्री।

अंक विभाजन :–

व्याकरण महाभाष्य से दो व्याख्याएँ	15 अंक
व्याकरण महाभाष्य से सम्बन्धित एक प्रश्न	10 अंक
लघुसिद्धान्तकौमुदी से चार भू और एध् धातु की (सूत्र निर्देश पूर्वक) प्रयोग सिद्धि	20 अंक
एक काव्यशास्त्रीय संस्कृतनिबन्ध	15 अंक
एक सामान्यविषयक संस्कृतनिबन्ध	15 अंक

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– प्रथम प्रश्नपत्र– 3/1 लघुषोध प्रबन्ध (वैकल्पिक)

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–50 अंक बाह्य परीक्षक द्वारा/ 50 अंक आन्तरिक परीक्षक द्वारा)

(क) इस विकल्प को एम0ए0 संस्कृत का संस्थागत परीक्षार्थी ही ले सकेगा। इस विकल्प हेतु एम0ए0 प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में न्यूनतम 60 (साठ) प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है।

(ख) इस विकल्प को लेने वाले परीक्षार्थी को एक लघुशोधप्रबन्ध लिखना होगा। जिसका विषय संस्कृत वाड्.मय की किसी न किसी शाखा से सम्बन्धित होगा और वह कार्य मौलिक, गवेषणात्मक, अभिनवमूल्याड्.कनात्मक अथवा सर्वेक्षणात्मक होगा।

(ग) परीक्षार्थी अपने शोध निर्देशक के निर्देशन में प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध के प्रतिपाद्य विषय की संक्षिप्त रूपरेखा को विभागाध्यक्ष की स्वीकृति के पश्चात् ही अपने लघुशोधप्रबन्ध को लिखना शुरू करेगा तथा उसकी दो प्रतियाँ टाइप करवाकर लिखित परीक्षा प्रारम्भ होने से कम से कम एक माह पूर्व अपने विभागाध्यक्ष के पास जमा करेगा।

(घ) विभागाध्यक्ष परीक्षार्थी से प्राप्त उसके लघुशोधप्रबन्ध की दोनों प्रतियों को विश्वविद्यालय, कुलसचिव के पास परीक्षण कराने हेतु भेजेगा।

(ड़) परीक्षार्थी को अपने शोध निर्देशक से ऐसा प्रमाणपत्र भी लेना होगा, जो यह सिद्ध करेगा कि लघुशोध प्रबन्ध का लेखन उसने स्वयं ही किया है और इस कार्य में उसने किसी से अवैध सहायता नहीं ली है। यह प्रमाणपत्र लघुशोधप्रबन्ध में ही संलग्न करना होगा।

(च) इस लघुशोधप्रबन्ध के मूल्यांकन हेतु पूर्णांक 100 होंगे। परीक्षण कार्य शोधनिर्देशक एवं बाह्य परीक्षक दोनों से कराया जायेगा। जिसके लिए 50–50 अंक निर्धारित किये गए हैं।

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– द्वितीय प्रश्नपत्र– 3/2 गद्य एवं ऐतिहासिक काव्य

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 कादम्बरी– बाणभट्ट, उज्जयिनी वर्णन से (सूतिकागृह) **छोड़कर** वर्णन पर्यन्त।

इकाई– 02 कादम्बरी– बाणभट्ट, से इन्द्रायुध वर्णन से राजकुल वर्णन पर्यन्त।

इकाई– 03 विक्रमांकदेवचरितम्– महाकवि विल्हण (प्रथम सर्ग) प्रारम्भ से 50 श्लोक तक।

इकाई– 04 विक्रमांकदेवचरितम्– महाकवि विल्हण (प्रथम सर्ग) 60 श्लोक से सर्गान्त पर्यन्त।

इकाई– 05 उभयग्रन्थों से समीक्षात्मक प्रश्न।

सहायक पुस्तकें :–

1.	कादम्बरी–	श्रीनिवास मिश्र
2.	कादम्बरी–	कृष्णमोहन शास्त्री
3.	कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन–	वासुदेवशरण अग्रवाल
4.	विक्रमांकदेवचरितम्–	बी0एस0 मुरारीलाल नागर
5.	विक्रमांकदेवचरितम्–	विश्वनाथशास्त्री भारद्वाज
6.	विक्रमांकदेवचरितम्–	हरगोविन्द शास्त्री

अंक विभाजन :–

कादम्बरी से दो व्याख्याएँ	15 अंक
कादम्बरी से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
विक्रमांकदेवचरितम् से दो व्याख्याएँ	15 अंक
विक्रमांकदेवचरितम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
उपर्युक्त पाठ्य ग्रन्थों से दो टिप्पणी	15 अंक

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र–3/3 अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकार

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य का इतिहास–अठारहवीं शताब्दी से लेकर अद्यतन

इकाई– 02 अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य के विविध आयाम।

इकाई– 03 अर्वाचीन प्रमुख संस्कृतसाहित्यकार एवं रचनाएँ– पं0 अम्बिकादत्त व्यास, आचार्यविश्वेश्वर पाण्डेय, पण्डिता क्षमाराव, कविवरसत्यव्रत शास्त्री, डा0 ब्रह्मानन्द शुक्ल, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, मथुरा प्रसाद दीक्षित, प्रो0 रमाकान्त शुक्ल, आचार्य कपिलदेव द्विवेदी प्रो0रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्रो0हरिनारायण दीक्षित, प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो0 हरिदत्त शर्मा, प्रो0 ब्रजेश कुमार शुक्ला।

इकाई– 04 अर्वाचीन प्रमुख पत्र–पत्रिकाओं का परिचय– दूर्वा, सागरिका, अजस्रा ,अर्वाचीनसंस्कृतम्, संस्कृतमञ्जरी, शोधभारती, सारस्वतीसुषमा, वैदिक वाग्ज्योति,

इकाई– 05 अर्वाचीन काव्यलक्षण–ग्रन्थ परिचय

सहायक पुस्तकें :–

1.	आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास–	पद्मभूषण पं0 बलदेव उपाध्याय
2.	संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास–	सप्तम खण्ड–सम्पादक डॉ0 जगन्नाथ पाठक, उ0प्र0सं0सं0लखनऊ।
3.	आधुनिक संस्कृत नाटक–	रामजी उपाध्याय
4.	संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र–	प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र
5.	काव्यालंकारकारिका–	प्रोफेसर रेवाप्रसाद द्विवेदी
6.	साहित्यविमर्श–	प्रोफेसर रहस विहारी द्विवेदी
7.	संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास–	प्रो0 राधबल्लभ त्रिपाठी
8.	विंशतिशताब्दीसंस्कृतकाव्यामृतम्–	प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र
9.	अभिराजयशोभूषण्म्–	प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र

अंक विभाजन :–

अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य का इतिहास से एक परिचयात्मक प्रश्न	15 अंक
अर्वाचीन संस्कृत साहित्य के विविध आयामों का संक्षिप्त परिचय	15 अंक
पठित किसी एक अर्वाचीन संस्कृतसाहित्यकार का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व	15 अंक
अर्वाचीन पत्र–पत्रिकाओं पर एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
अर्वाचीन काव्यलक्षणग्रन्थ से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : क– 1 साहित्यवर्ग

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र– 3/4 काव्यशास्त्र

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 काव्यप्रकाश–आचार्य मम्मट, प्रथम तथा द्वितीय उल्लास

इकाई– 02 काव्यप्रकाश–आचार्य मम्मट, तृतीय एवं चतुर्थ उल्लास रस पर्यन्त

इकाई– 03 काव्यप्रकाश–आचार्य मम्मट, अष्टम उल्लास

इकाई– 04 काव्यप्रकाश–आचार्य मम्मट, नवम उल्लास–वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, दशम उल्लास–उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक,

इकाई– 05 काव्यप्रकाश–आचार्य मम्मट, दशम उल्लास–निदर्शना, अपह्नुति, विभावना, विशेषोक्ति ,व्यतिरेक, दृष्टान्त और तुल्ययोगिता।

सहायक पुस्तकें :–

1. काव्यप्रकाश– आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश– वामन झलकीकर
3. काव्यप्रकाश– श्रीनिवास शास्त्री
4. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास– पी0 वी0 काणे
5. काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त– डॉ0 लज्जा भट्ट
6. भारतीय काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त– डॉ0 हरिनारायण दीक्षित एवं डॉ0 किरण टण्डन।

अंक विभाजन :–

काव्यप्रकाश– 1 एवं 2 उल्लास से दो व्याख्याएँ	15 अंक
काव्यप्रकाश– 3 एवं 4 उल्लास से दो व्याख्याएँ	15 अंक
काव्यप्रकाश के अष्टम उल्लास से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
काव्यप्रकाश से तीन अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण	20 अंक
काव्यप्रकाश से दो टिप्पणी	2X05= 10 अंक

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : क–2 साहित्यवर्ग
स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– चतुर्थ प्रश्नपत्र– 3/5 साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र
2021–2022 में प्रभावी
श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 साहित्यदर्पण– आचार्य विश्वनाथ, प्रथम परिच्छेद
इकाई– 02 साहित्यदर्पण– आचार्य विश्वनाथ, द्वितीय परिच्छेद
इकाई– 03 नाट्यशास्त्र– भरतप्रणीत, प्रथम अध्याय
इकाई– 04 नाट्यशास्त्र– भरतप्रणीत, द्वितीय अध्याय
इकाई– 05 दशरूपकम्– धनजंय प्रणीत, प्रथम प्रकाश

सहायक पुस्तकें :–

1. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सत्यार्थ प्रकाश शर्मा
2. नाट्यशास्त्र– बाबूलाल शुक्ल
3. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सुधाकर मालवीय
4. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त– डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी
5. दशरूपकम्– भोलाशंकर व्यास
6. दशरूपकम्– श्रीनिवास शास्त्री
7. साहित्य दर्पण– विश्वनाथकविराजकृत. लक्ष्मीटीका युक्त. टीकाकार श्रीकृष्णमोहन शास्त्री.वाराणसी।
8. साहित्य दर्पण– शालिग्रामशास्त्री कृत विमला टीका
9. साहित्य दर्पण– गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर

अंक विभाजन :–

साहित्य दर्पण दो व्याख्याएँ	15 अंक
साहित्य दर्पण से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
नाट्यशास्त्र से दो व्याख्याएँ	15 अंक
दशरूपक से दो व्याख्याएँ	15 अंक
उपर्युक्त दोनों ग्रन्थों में से दो लघूत्तरीय प्रश्न	15 अंक

अथवा

ऐच्छिकपाठ्यक्रम : ख–1 व्याकरण वर्ग

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र– 3/4 प्रक्रिया (वैयाकरणभूषणसार एवं लघुसिद्धान्त)

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई–01 वैयाकरणभूषणसार– लकारार्थ।

इकाई–02 वैयाकरणभूषणसार– नामार्थ एवं समासार्थ।

इकाई–03 वैयाकरणभूषणसार– स्फोट।

इकाई–04 लघुसिद्धान्त– स्त्री प्रत्यय।

इकाई–05 लघुसिद्धान्त– समास प्रकरण।

सहायक पुस्तकें :–

1. वैयाकरणभूषणसार– कौण्डभट्टकृत, चौखम्बा संस्कृतसंस्थान वाराणसी।
2. वैयाकरणभूषणसार– कौण्डभट्टकृत, बालकृष्ण पंचोलीकृत प्रभा और हरिवल्लभ दर्पण व्याख्या सहित. सम्पादक बालकृष्णपंचोली वाराणसी।
3. वैयाकरणभूषणसार– कौण्डभट्टकृत, हरिवल्लभ दर्पण व्याख्या चन्द्रिकाप्रसाद द्विवेदीकृत सुबोधिनी व्याख्या सहित।
4. लघुसिद्धान्त–वरदराजकृत– प्राज्ञतोषिणी व्याख्याकार और सम्पादक श्रीधरानन्द शास्त्री
5. लघुसिद्धान्त–वरदराजकृत– व्याख्याकार और सम्पादक महेश कुशवाहा ।

अंक विभाजन :–

इकाई 01 से दो कारिकाओं की व्याख्या	15 अंक
इकाई 02 से दो कारिकाओं की व्याख्या	10 अंक
इकाई 03 से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
इकाई 04 से चार सूत्रनिर्देशपूर्वक प्रयोग सिद्धि	10 अंक
इकाई 05 से तीन सूत्रनिर्देशपूर्वक प्रयोग सिद्धि	15 अंक
इकाई 04,05 से तीन सूत्रों की व्याख्या/शब्द सिद्धि	15 अंक

ऐच्छिकपाठ्यक्रम : ख–2 व्याकरण वर्ग

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र– 3/5 प्रक्रिया (परमलघुमंजूषा एवं सिद्धान्त कौमुदी–हलन्त प्रकरण)

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 परमलघुमंजूषा– शक्ति प्रकरण।
इकाई– 02 परमलघुमंजूषा– समासशक्ति।
इकाई– 03 कारक प्रकरण– लघुसिद्धान्त कौमुदी।
इकाई– 04 तद्धित प्रकरण– लघुसिद्धान्त कौमुदी।
इकाई– 05 कृदन्त प्रकरण– लघुसिद्धान्त कौमुदी।

सहायक पुस्तकें :–

1. परमलघुमंजूषा– नागेशभट्टकृत.भावप्रकाशबोधिनी संस्कृतहिन्दीव्याख्या सहित।
2. परमलघुमंजूषा– नागेशभट्टकृत. किरणावली संस्कृतहिन्दीव्याख्या सहित।
3. एम0 ए0 संस्कृत व्याकरण– श्रीनिवास शास्त्री।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्रीधरानन्द शास्त्री।
7. सिद्धान्तकौमुदी– तत्त्वबोधिनी, पं0 गिरधर शर्मा चतुर्वेदी

अंक विभाजन :–

परमलघुमंजूषा– इकाई 01 से दो व्याख्याएँ	15 अंक
परमलघुमंजूषा– इकाई 02 से दो व्याख्याएँ	15 अंक
कारक प्रकरण से तीनप्रयोग सिद्धि	15 अंक
तद्धित प्रकरण से तीन प्रयोग सिद्धि	15 अंक
कृदन्त प्रकरण से तीन प्रयोग सिद्धि	15 अंक

अथवा

ऐच्छिकपाठ्यक्रम : ग– दर्शन वर्ग

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र– 3/4 ग–1 भारतीय दर्शन

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 भारतीय दर्शन का अर्थ एवं परिचय

इकाई– 02 आस्तिक दर्शन परिचय– न्याय, वैशेषिक एवं सांख्य

इकाई– 03 आस्तिक दर्शन परिचय– योग, मीमांसा एवं वेदान्त

इकाई– 04 नास्तिक दर्शन परिचय– चार्वाक, जैन एवं बौद्ध

इकाई– 05 प्रत्यभिज्ञा दर्शन परिचय

सहायक पुस्तकें :–

1. भारतीय दर्शन का इतिहास– डॉ राधाकृष्णन
2. भारतीय दर्शन का इतिहास– बलदेव उपाध्याय
3. सर्वदर्शनसंग्रह– माधवाचार्यकृत व्याख्याकार और सम्पादक उमाशंकर शर्मा ऋषि. वाराणसी।
4. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास– पं0 अलदेव उपाध्याय।

अंक विभाजन :–

इकाई 01 से एक दीर्घ एवं एक लघु प्रश्न	15
इकाई 02 से एक दीर्घ एवं एक लघु प्रश्न	15
इकाई 03 से एक दीर्घ एवं एक लघु प्रश्न	15
इकाई 04 से एक दीर्घ एवं एक लघु प्रश्न	15
इकाई 05 से एक दीर्घ एवं एक लघु प्रश्न	15

ऐच्छिकपाठ्यक्रम : ग– दर्शन वर्ग

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र– 3/5 ग– 2 सांख्य, योग एवं चार्वाक दर्शन

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 सांख्यतत्त्वकौमुदी– कारिकांश, 1–30

इकाई– 02 सांख्यतत्त्वकौमुदी– टीकांश, 31–70

इकाई– 03 पातंजलयोगसूत्र– प्रथम पाद, व्यास भाष्य

इकाई– 04 सांख्यतत्त्वकौमुदी एवं पातंजलयोगसूत्र परिचय

इकाई– 05 चार्वाक दर्शन का परिचय एवं सिद्धान्त

सहायक पुस्तकें :–

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी– वाचस्पति मिश्र, आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. सांख्यतत्त्वकौमुदी– डॉ0 गजानन शास्त्री मुसलगॉवकर।
3. पातंजलयोगसूत्र– स्वामी हरिहरानन्द।
4. सर्वदर्शन संग्रह– डॉ0 उमा शंकर शर्मा ऋषि
5. भारतीय दर्शन– डॉ0 उमेश मिश्र।
6. भारतीय दर्शन– बलदेव उपाध्याय।

अंक विभाजन :–

सांख्यतत्त्वकौमुदी से दो कारिकाएँ	15 अंक
सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका से एक अनुच्छेद की व्याख्या	15 अंक
पातंजलयोगसूत्र से दो सूत्रों की व्याख्या	15 अंक
सांख्यतत्त्वकौमुदी एवं पातंजलयोगसूत्र से एक–एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
चार्वाक दर्शन से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (ओपेन इलेक्टिव कोर्स)
स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध : 1– संस्कृत भाषा अध्ययन
2021–2022 में प्रभावी
श्रेयांक–2 (पूर्णांकः 50–35 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 15 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 माहेश्वरसूत्र (वर्ण परिचय)– प्रत्याहार, उच्चारण स्थान, प्रयत्न इत्यादि।

इकाई– 02 सन्धि प्रकरण– अच्, हल् एवं विसर्ग।

इकाई– 03 सुबन्त– अजन्त– राम, हरि, स्त्री– रमा, सखी, नपुं0– ज्ञान, सर्व की रूपसिद्धि तिङन्त– पठ्, गम्, नी धातुओं की सिद्धि प्रक्रिया

इकाई– 04 समास– अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुव्रीहि परिचय

इकाई– 05 व्यवहारिक शब्दों का संस्कृत रूप

सहायक पुस्तकें :–

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्रीवरदराज चौखम्भा संस्कृत संस्थान
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी व्याख्याकार– श्रीधरानन्द शास्त्री
3. रचनानुवादकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
4. संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका– डॉ0 बाबुराम सक्सेना
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी डॉ0 कुशवाहा
6. संस्कृत भाषा– डॉ0 भवानी दत्त काण्डपाल, डॉ0 हेमवन्ती नन्दन पनेरु एवं डॉ0 हेमन्त जोशी अंकित प्रकाशन हल्द्वानी

अंक विभाजन :–

माहेश्वरसूत्र के अन्तर्गत आने वाले किन्ही दो प्रत्याहार का वर्ण परिचय	06 अंक
किन्हीं दो सन्धियों का उदाहरण सहित लक्षण	06 अंक
किन्ही दो सुबन्त रूपों की सिद्धि किन्ही दों तिङन्त रूपों की सिद्धि	10 अंक
किसी एक समास का उदाहरण सहित परिचय	05 अंक
किन्हीं आठ व्यवहारिक शब्दों का संस्कृत रूप	08 अंक

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (ओपेन इलेक्टिव कोर्स)
स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध : 2– आर्षकाव्य– रामायण
2021–2022 में प्रभावी
श्रेयांक–2 (पूर्णांकः 50–35 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 15 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 महर्षिवाल्मीकि एवं वाल्मीकि प्रणीत रामायण का परिचय।

इकाई– 02 काण्डों का प्रतिपाद्य विषय।

इकाई– 03 रामायण का माहात्म्य एवं प्रमुखपात्र परिचय।

इकाई– 04 आदित्यहृदयस्तोत्र का अर्थ।

सहायक पुस्तकें :–

1. श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम्– सम्पादकमण्डल– जी0ए0 भट्ट, पी0एल0 वैद्य, डी0 आर0 मनकण्ड आदि
2. रामकथा उत्पत्ति और विकास– कामिलबुल्केकृता
3. श्रीमद्वाल्मीकीय कृत रामायणम्– गीता प्रेस गोरखपुर

अंक विभाजन :–

महर्षि वाल्मीकि का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व परिचय	10 अंक
रामायण से एक टिप्पणी	05 अंक
रामायण का माहात्म्य एवं किसी एक पात्र की चारित्रिक विशेषता	10 अंक
आदित्यहृदयस्तोत्र से दो श्लोक की व्याख्याएं	10 अंक

चतुर्थ सत्रार्द्ध– अनिवार्य पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– प्रथम प्रश्नपत्र– 4/1 संस्कृतप्रकरण, चम्पूकाव्य एवं निबन्ध

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 मृच्छकटिकम्– शूद्रक प्रणीत, 1–5 अंक तक
इकाई– 02 नलचम्पू–त्रिविक्रम भट्ट प्रथम उच्छ्वास–प्रारम्भ से वर्षावर्णन पर्यन्त
इकाई– 03 पठित अंशों से समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई– 04 काव्यशास्त्रीय संस्कृतनिबन्ध
इकाई– 05 सामान्यविषयक संस्कृतनिबन्ध

सहायक पुस्तकें :–

1. मृच्छकटिकम्– डॉ0 रमाकान्त द्विवेदी
2. महाकवि शूद्रक– डॉ0 रमाशंकर तिवारी
3. नलचम्पू– प्रो0 कैलाशपति त्रिपाठी
4. चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक अध्ययन– प्रो0 छविनाथ– त्रिपाठी
5. संस्कृतनिबन्धशतकम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
6. संस्कृतनिबन्धरत्नाकर– डॉ0 शिवप्रसाद भारद्वाज, दिल्ली नई सडक अशोकप्रकाशन।
7. संस्कृतनिबन्धसुधा– डॉ0 राधेश्याम गंगवार।

अंक विभाजन :–

मृच्छकटिकम् से दो व्याख्याएँ	20 अंक
मृच्छकटिकम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
नलचम्पू पठित से एक पद्य एवं एक गद्य की व्याख्या	15 अंक
नलचम्पू से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
मृच्छकटिकम् एवं नलचम्पू से दो टिप्पणी	15 अंक

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– द्वितीय प्रश्नपत्र– 4/2 मौखिकी

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

नोट :– मौखिकी परीक्षा चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगी।

टिप्पणी :– (अ) एम0ए0 के प्रत्येक सत्र के पाठ्यक्रम के आलोक में लिखित परीक्षा की समाप्ति के पश्चात् संस्कृत विभाग में निर्धारित तिथि को मौखिक परीक्षा सम्पन्न होगी, जिसकी सूचना परीक्षार्थियों को उनकी अन्तिम लिखित परीक्षा के दिन दे दी जायेगी। मौखिकी के समय समस्त परीक्षार्थियों को तृतीय सत्रार्ध/सेमेस्टर की अपनी मूल अंकतालिका परीक्षकों के समक्ष अनिवार्यतः प्रस्तुत करनी होगी।

मौखिकी परीक्षा में निर्धारित पाठ्यक्रम–एम0ए0 चतुर्थ सत्रार्द्ध के समस्त पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेगे।

(ब) प्रत्येक प्रश्न पत्र में 75 अंक लिखित प्रश्न पत्र हेतु निर्धारित है, जिसका पाठ्यक्रम उपर्युक्त प्रकार से विभाजन पूर्वक दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं, जिसके मूल्यांकन का आधार छात्र की उपस्थिति, अनुशासन तथा एसाइन्मेंट एवं प्रेजेंटेशन (प्रस्तुतीकरण) होगा। उक्त के आलोक में 10 अंक छात्र की उपस्थिति एवं अनुशासन तथा 15 अंक एसाइन्मेंट एवं प्रेजेंटेशनहेतु निर्धारित किये गये हैं।**समय समय पर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित एवं परिवर्तित नियम मान्य होंगे।**

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : क– 1 साहित्यवर्ग

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र– 4/3 काव्यशास्त्र

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 काव्यशास्त्र का प्रादुर्भाव, काव्यशास्त्र के आचार्य एवं सम्प्रदाय परिचय।

इकाई– 02 ध्वन्यालोक– आनन्दवर्धन प्रणीत (प्रथम उद्योत), 1–8 कारिका पर्यन्त।

इकाई– 03 ध्वन्यालोक – आनन्दवर्धन प्रणीत (प्रथम उद्योत), 9–19 कारिका पर्यन्त।

इकाई– 04 वक्रोक्तिजीवितम्– कुन्तक प्रणीत, प्रथमोन्मेष–21वीं कारिका पर्यन्त।

इकाई– 05 काव्यालंकार सूत्राणि– प्रथम अधिकरण।

सहायक पुस्तकें :–

1.	काव्यालंकार सूत्राणि–	हरगोविन्द शास्त्री
2.	काव्यालंकार सूत्रवृत्ति–	डॉ0 बेचन झा
3.	वक्रोक्ति जीवितम्–	राधेश्याम मिश्र
4.	वक्रोक्ति जीवितम्–	परमेश्वर दीन मिश्र
5.	अलंकारशास्त्र में आचार्य कुन्तक की देन–	डॉ0 हेना आत्मनाथन
6.	ध्वन्यालोक–	आचार्य विश्वेश्वर
7.	ध्वन्यालोक–	जगन्नाथ पाठक
8.	ध्वन्यालोक–	रामसागर त्रिपाठी
9.	भामह और वामन के काव्यसिद्धान्त –	रमण कुमार शर्मा
10.	भारतीय साहित्यशास्त्र–	आचार्य बलदेव उपाध्याय
11.	भारतीय काव्यशास्त्र मीमांसा–	डॉ0 हरिनारायण दीक्षित एवं डॉ0 किरण टण्डन

अंक विभाजन :–

ध्वन्यालोक से दो कारिकाओं की व्याख्या	15 अंक
इकाई 1 एवं 2 से आलोचनात्मक प्रश्न	15 अंक
वक्रोक्तिजीवितम् से दो कारिकाओं की व्याख्या	15 अंक
काव्यालंकार सूत्राणि से दो सूत्रों की व्याख्या	15 अंक
उपर्युक्त पाठ्य ग्रन्थों से तीन लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	3X5=15 अंक

ऐच्छिक पाठ्यक्रम– क–2 साहित्यवर्ग

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र– 4/4 साहित्यशास्त्र और नाट्यशास्त्र

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 काव्यमीमांसा– राजशेखरकृत प्रथम अधिकरण के प्रथम अध्याय से पंचम अध्याय तक

इकाई– 02 काव्यमीमांसा– राजशेखरकृत प्रथम अधिकरण के षष्ठ अध्याय से दशम अध्याय तक

इकाई– 03 धनंजय विरचित दशरूपकम– द्वितीय प्रकाश।

इकाई– 04 धनंजय विरचित दशरूपकम्– तृतीय प्रकाश।

इकाई– 05 पठित ग्रन्थों से समीक्षात्मक प्रश्न।

सहायक पुस्तकें :–

1. राजशेखरकृत– काव्यमीमांसा. व्याख्याकार–डॉ0 गंगासागर राय
2. दशरूपकम्– आचार्य धनंजय सम्पादक भोलाशंकर
3. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास– पंचम खण्ड।
4. अभिनव भारती– अभिनवगुप्त रचित टीका

अंक विभाजन :–

काव्यमीमांसा से तीन व्याख्याएं	15 अंक
काव्यमीमांसा से एक दीर्घोत्तरीय प्रश्न	15 अंक
दशरूपक से तीन व्याख्याएँ	15 अंक
दशरूपक से एक दीर्घोत्तरीय प्रश्न	10 अंक
पठित दोनों ग्रन्थों से चार टिप्पणियां	20 अंक

ऐच्छिक पाठ्यक्रम– ख–व्याकरणदर्शन वर्ग

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र 4/1 ख– 1 ण्यन्तादि एवं नामधात्वादि प्रक्रिया

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 व्याकरणदर्शन परिचय

इकाई– 02 व्याकरणाचार्य परम्परा

इकाई– 03 प्रक्रिया विमर्श– ण्यन्त, सनन्त, यङन्त एवं यङलुक प्रत्यय।

इकाई– 04 नामधातु एवं भावकर्मप्रक्रिया– लघुसिद्धान्त कौमुदी के अनुसार।

इकाई– 05 कर्मकर्तृप्रक्रिया एवं लकारार्थप्रक्रिया– लघुसिद्धान्त कौमुदी के अनुसार।

सहायक पुस्तकें :–

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी– वरदराज
2. सिद्धान्तकौमुदी– भट्टोजीदीक्षित
3. व्याकरणशास्त्र का इतिहास–
4. संस्कृत व्याकरण– कपिलदेव द्विवेदी।

अंक विभाजन :–

व्याकरणदर्शन परिचय एवं व्याकरणाचार्य परम्परा से दो प्रश्न	10 अंक
प्रक्रिया (ण्यन्त, सनन्त,यडन्त एवं यङलुक्) सूत्रनिर्देशपूर्वक 4 की सिद्धि	20 अंक
नामधातु एवं भावकर्मप्रक्रिया– सूत्रनिर्देशपूर्वक 4 की सिद्धि	20 अंक
कर्मकर्तृप्रक्रिया एवं लकारार्थप्रक्रिया– सूत्र सहित उदाहरण	10 अंक
उक्त प्रक्रियागत किन्हीं तीन सूत्रों की व्याख्या	15 अंक

ऐच्छिक पाठ्यक्रम– ख–व्याकरणदर्शन वर्ग

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र 4/2 ख–2 प्रक्रिया– वैयाकरणभूषणसार एवं तद्धितप्रकरण

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 वैयाकरणभूषणसार से विविध कारिकाओं की व्याख्या।

इकाई– 02 वैयाकरणभूषणसार से समीक्षात्मक प्रश्नोत्तर।

इकाई– 03 तद्धितप्रकरण– अपत्यादिकारः।

इकाई– 04 तद्धितप्रकरण– आधिकारः।

इकाई– 05 तद्धितप्रकरण– भावनाद्यर्थका से प्राग्दिशीयाः पर्यनत।

सहायक पुस्तकें :–

1. वैयाकरणभूषणसार
2. व्याकरणशास्त्र का इतिहास
3. संस्कृत व्याकरण– श्रीनिवास शास्त्री
4. संस्कृत व्याकरण– कपिलदेव द्विवेदी

अंक विभाजन :–

वैयाकरणभूषणसार से दो व्याख्याएँ	15 अंक
वैयाकरणभूषणसार से समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
वैयाकरणभूषणसार तद्धितप्रकरण– अपत्यादिकार से तीन प्रक्रियाएँ	15 अंक
तद्धितप्रकरण– आधिकारः से तीन प्रक्रियाएँ	15 अंक
तद्धितप्रकरण– भावनाद्यर्थका एवं प्राग्दिशीयाः से तीन प्रक्रियाएँ	15 अंक

ऐच्छिक पाठ्यक्रम– ग– दर्शन वर्ग

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र 4/3, ग–1 मीमांसा, वेदान्त एवं बौद्ध दर्शन

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 अर्थसंग्रह

इकाई– 02 ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य (चतुःसूत्री)

इकाई– 03 वेदान्त परिभाषा–प्रत्यक्ष परिच्छेद

इकाई– 04 अर्थसंग्रह, चतुःसूत्री एवं वेदान्त परिभाषा परिचय

इकाई– 05 बौद्धदर्शन का परिचय एवं सिद्धान्त।

सहायक पुस्तकें :–

1. अर्थसंग्रह–लौगाक्षिभास्कर– डॉ0 कामेश्वरनाथ मिश्र।
2. शांकरभाष्य, चतुःसूत्री–व्याख्याकार– डॉ0 गजाननशास्त्री मुसलगॉवकर।
3. वेदान्तपरिभाषा, प्रत्यक्ष परिच्छेद– गजाननशास्त्री मुसलगॉवकर।
4. भारतीय दर्शन का इतिहास– बलदेव उपाध्याय।
5. हिन्दी सर्वदर्शनसंग्रह– उमाशंकर शर्मा ऋषि।
6. भारतीय दर्शन– डॉ0 राधाकृष्णन।

अंक विभाजन :–

अर्थसंग्रह से दो व्याख्याएँ	15 अंक
(क) चतुःसूत्री से दो व्याख्याएँ (ख) चतुःसूत्री से एक टिप्पणी	7.5 अंक 7.5 अंक
(क) वेदान्त परिभाषा से एक व्याख्या (ख) वेदान्त परिभाषा से एक टिप्पणी	7.5 अंक 7.5 अंक
अर्थसंग्रह एवं वेदान्त परिभाषा से दो समीक्षात्मक प्रश्न	2X7.5=15 अंक
बौद्धदर्शन से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक

ऐच्छिक पाठ्यक्रम– ग– दर्शन वर्ग

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र 4/4 –2, न्याय, वैषेशिक एवं जैन दर्शन

2021–2022 में प्रभावी

श्रेयांक–4 (पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 न्यायसिद्धान्तमुक्तावली– प्रत्यक्ष खण्ड

इकाई– 02 वैशेषिकसूत्रोपस्कार, शंकरमिश्र– प्रथम अध्याय– प्रथम आह्निक

इकाई– 03 न्याय दर्शन, वात्स्यायनभाष्यसहित, प्रथम अध्याय

इकाई– 04 न्याय–वैशेषिक परम्परा

इकाई– 05 जैन दर्शन का परिचय एवं सिद्धान्त।

सहायक पुस्तकें :–

1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली–प्रत्यक्ष खण्ड–	डॉ0 धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री।
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली–प्रत्यक्ष खण्ड–	डॉ0 गजानन शास्त्री मुसलगॉवकर।
3. वैशेषिकसूत्रोपस्कार–प्रकाशिका हिन्दी व्याख्या–	आचार्य ढुण्डिराज शास्त्री।
4. न्यायदर्शनम्–वात्स्यायनभाष्यसहित–	आचार्य ढुण्डिराज शास्त्री।
5. सर्वदर्शनसंग्रह–	डॉ0 उमाशंकर शर्मा ऋषि।
6. भारतीय दर्शन–	डॉ0 उमेश मिश्र।
7. भारतीय दर्शन–	बलदेव उपाध्याय।

अंक विभाजन :–

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली से एक कारिका की व्याख्या एवं एक टिप्पणी	15 अंक
वैशेषिकसूत्रोपस्कार से एक सूत्र की व्याख्या एवं एक टिप्पणी	15 अंक
न्यायदर्शनम् से दो सूत्रों की व्याख्या	15 अंक
न्यायवैशेषिक से दो समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
जैन दर्शन से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (ओपेन इलेक्टिव कोर्स)
स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध 5/1 उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृत साहित्यकार
2021–2022 में प्रभावी
श्रेयांक–2 (पूर्णांकः 50–35 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 15 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 उत्तराखण्ड के 19 वीं शताब्दी के संस्कृतसाहित्यकार–परिचय
इकाई– 02 उत्तराखण्ड के 20 वीं शताब्दी से लेकर अद्यतन के संस्कृतसाहित्यकार–परिचय
इकाई– 03 उत्तराखण्ड में प्रकाशित संस्कृत पत्र–पत्रिकाओं का महत्त्व
इकाई– 04 उत्तराखण्ड–संस्कृतसाहित्य की विधाओं का परिचय

सहायक पुस्तकें :–

1.	उत्तराखण्ड का इतिहास–	डॉ0 शिव प्रसाद डबराल
2.	कुमाऊँ का इतिहास–	पं0 बद्रीदत्त पाण्डे
3.	उत्तराखण्ड का नवीन इतिहास–	डॉ0 यशवंत सिंह कठोच
4.	गढ़वाल का इतिहास–	डॉ0 यशवंत सिंह कठोच, डॉ0 हरिकृष्ण रतूडी
5.	गढ़वाल की संस्कृत साहित्य को देन–	डॉ0 प्रेम दत्त चमोली
6.	कूर्माञ्चल में संस्कृत वाङ्मय का विकास–	डा0 बसन्त बल्लभ भट्ट, प्रकाशक–प्रेम ग्रन्थ भनार,निकट पीलीभीत चुंगी, टनकपुर (चम्पावत)
7.	उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार अतीत से वर्तमान–	डा0 शालिमा तबस्सुम, परिमल पब्लिकेशन्स दिल्ली।

अंक विभाजन :–

उत्तराखण्ड के 19वीं शताब्दी के किसी एक संस्कृत साहित्यकार एवं उनकी रचनाओं का परिचय	10 अंक
उत्तराखण्ड के 20 वीं शताब्दी से लेकर अद्यतन के किसी एक संस्कृत साहित्यकार एवं उनकी रचनाओं का परिचय	10 अंक
उत्तराखण्ड में प्रकाशित किसी एक संस्कृत पत्र अथवा पत्रिका का महत्त्व	05 अंक
उत्तराखण्ड –संस्कृतसाहित्य की किसी एक विधा का परिचय एवं	10 अंक

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (ओपेन इलेक्टिव कोर्स)
स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– 5/2 आर्षकाव्य– महाभारत
2021–2022 में प्रभावी
श्रेयांक–2 (पूर्णांकः 50– 35 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 15 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

इकाई– 01 महर्षिव्यास एवं महाभारतग्रन्थ का परिचय
इकाई– 02 महाभारत के पर्वों का संक्षिप्त परिचय
इकाई– 03 महाभारत का माहात्म्य एवं प्रमुख पात्रों का परिचय
इकाई– 04 महाभारत में वर्णित विष्णुसहस्रनामस्तोत्र

सहायक पुस्तकें :–

1. सम्पूर्णमहाभारत छः भागों में, साहित्याचार्य पण्डित रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डे; ''राम'' गीताप्रेस गोरखपुर सं0 2070
2. महाभारत– श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्यायमण्डल।
3. महाभारत का अर्थ,डी0डी0 हर्ष, वाग्देवी प्रकाशन वीकानेर 2014
4. संस्कृत–वाङ्मय का बृहद् इतिहास– आर्षकाव्य
5. संस्कृत–साहित्य का इतिहास– पद्मभूषण आचार्य बलदेव उपाध्याय

अंक विभाजन :–

महर्षिव्यास एवं महाभारत का परिचय	10 अंक
महाभारत के एक पर्व का संक्षिप्त परिचय	05 अंक
महाभारत का माहात्म्य एवं किसी एक पात्र का परिचय	10 अंक
महाभारत में वर्णित विष्णुसहस्रनामस्तोत्र के दो श्लोकों का अर्थ	10 अंक

प्रो0 जया तिवारी
संयोजक– संस्कृत विभाग, डी0एस0बी0 परिसर,
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।

प्रो0 जे0के0 गोदियाल
पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विभाग, पौड़ी परिसर, हेमवती
नंदन बहुगुणा गढ़वाल। केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
श्रीनगर।

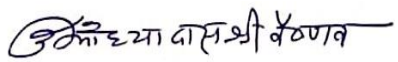

प्रो0 अयोध्यादास श्री वैष्णव
पूर्व अध्यक्ष प्राच्य संस्कृत विभाग, लखनऊ
विश्वविद्यालय, लखनऊ।

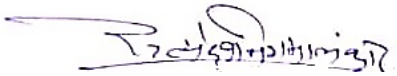

प्रो0 सत्यदेव निगमालङ्कार
स्वामी श्रद्धानन्द शोधकेन्द्र अध्यक्ष, गुरुकुल
कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार।

प्रो0 कमला पन्त
अध्यक्ष संस्कृत विभाग, एम0बी0पी0जी0
महाविद्यालय, हल्द्वानी।

प्रो0 विनय कुमार विद्यालङ्कार
संस्कृत विभाग, एम0बी0पी0जी0 महाविद्यालय,
हल्द्वानी।